दिनांक: 24 अक्टूबर 2026

प्रेस विज्ञप्ति

डिजिटल जागरूकता ही साइबर अपराधों से बचाव की सबसे सशक्त कुंजी: पुलिस आयुक्त श्री रघुबीर लाल

मर्चेंट्स चैंबर ऑफ उत्तर प्रदेश की इनफार्मेशन एंड टेक्नोलॉजी समिति एवं 'नेशनल (डायरेक्ट टैक्स) ट्रिब्यूनल बार एसोसिएशन', के संयुक्त तत्वावधान में 'साइबर क्राइम एवं डिजिटल फ्रॉड' पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया ।

चैम्बर के पूर्व अध्यक्ष श्री बी के लाहोटी ने आये हुए अतिथियों का स्वागत किया एवं कार्यक्रम की महत्ता पर प्रकाश डाला |

सीए अनिल के सक्सेना, इनफार्मेशन एंड टेक्नोलॉजी समिति के चेयरमैन ने वर्तमान में बढ़ती डिजिटल ठगी और इंटरनेट आधारित वित्तीय अपराधों के प्रति आम नागरिकों एवं व्यवसायियों को सचेत करने के उद्देश्य से एक विशेष सार्वजनिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन की पृष्टभूमि पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण कानपुर पुलिस साइबर विभाग द्वारा निर्मित साइबर सुरक्षा पर आधारित 40 मिनट की विशेष लघु फिल्म 'साइबर क्राइम - द साइलेंट क्राइम' (Silent Crimes) का प्रदर्शन रहा, जिसने प्रेक्षकों को डिजिटल धोखाधड़ी के नए तरीकों और उनसे बचाव के उपायों से गहराई से रूबरू कराया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कानपुर के पुलिस आयुक्त श्री रघुबीर लाल (IPS) ने शिरकत की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा, "आज साइबर अपराध किसी एक व्यक्ति या वर्ग की समस्या नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए एक मौन चुनौती बन चुका है। अपराधी नई तकनीकों और मानसिक दबाव का सहारा लेकर लोगों को ठग रहे हैं। इस प्रकार की फिल्में और जागरूकता सत्र आम जनता को सतर्क और सशक्त बनाने में अत्यंत प्रभावी सिद्ध होते हैं।"

फिल्म 'द साइलेंट क्राइम' ने झकझोरा

समारोह के दौरान प्रदर्शित 40 मिनट की फिल्म 'द साइलेंट क्राइम' में वास्तविक जीवन के साइबर घोटालों, जैसे—डिजिटल अरेस्ट, फर्जी निवेश योजनाएं, बैंकिंग ओटीपी फ्रॉड और सोशल मीडिया हैकिंग के तरीकों को बेहद प्रामाणिक ढंग से दर्शाया गया। फिल्म के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि "थोड़ी सी सावधानी और त्वरित जानकारी ही डिजिटल सुरक्षा की ढाल है।"

डिजिटल सुरक्षा के प्रमुख सूत्र:

- संदेहास्पद लिंक्स से बचें: अनजान स्रोतों से आए लिंक्स या एपीके (APK) फाइल्स पर क्लिक न करें।
- ओटीपी व पासवर्ड साझा न करें: बैंक या कोई भी सरकारी संस्था फोन पर गोपनीय जानकारी नहीं मांगती।
- त्वरित शिकायत दर्ज कराएं: किसी भी प्रकार की वित्तीय ठगी होने पर तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करें अथवा cybercrime.gov.in पर रिपोर्ट करें।

कार्यक्रम के संयोजक सीए सुधीन्द्र कुमार जैन ने संचालन किया तथा सीए नरेंद्र कपूर ने सभी अतिथियों, पुलिस प्रशासन, मीडिया प्रतिनिधियों एवं उपस्थित नागरिकों का धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि संस्था आगे भी समाज हित में डिजिटल साक्षरता और सुरक्षा से जुड़े ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन निरंतर करती रहेगी।

कायर्क्रम में प्रमुख रूप से चैंबर के सदस्य श्री सुशील शर्मा, श्री योगेश अग्रवाल, श्री रूफी वाकी, डॉ. अवध दुबे, सीए धर्मेंद्र श्रीवास्तव, सीए शिवांश मेहरा, सीए अतुल अग्रवाल, सीए अमित पांडेय, सीए राहुल चंद्र, सीए शालिनी पांडेय आदि उपस्थित थे।

समारोह में शहर के प्रमुख उद्योगपतियों, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, अधिवक्ताओं, शिक्षाविदों, प्रबुद्ध एवं विद्यार्थियों नागरिकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

आपसे अनुरोध है कि उक्त को अपने समाचार पत्र में प्रमुखता से प्रकाशित करें |

सधन्यवाद।
प्रभात मिश्रा
मुख्य परिचालन अधिकारी
8395890800
मर्चेंट्स चेम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश